

त्र

( , योग व प्राकृतिक चिकित्सा, , सिद्ध एवं होम्यो )

वि प्रश्न - 358\*

10 स , 2018 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

वि परीक्षण प्रश्न

\*358. श्री . धु :

क प्राकृतिक वि वि त , , सिद्ध म ( ) त्रि  
वि :

( ) क , सिद्ध द्वि वि : वि वि परीक्षण  
प्रश्न ;

( ) वि , त ढ क क ;

( ) क वि : वि वि परीक्षण प्रश्न श  
त वि वि वि वि बिक्री

वि , त ढ क ;

( ) वि वि, क वि वि ;

( ) वि , त ढ क वि वि, क ?

त

ज त्रि (स तंत्र प्रभार) श्री श्रीपाद येसो नाईक

( ) (.) : वि

( ) ( ) : सरकार ने आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी (एएसयू) औषधों के पेटेंट अथवा एकाधिकार के नैदानिक परीक्षणों पर रोक नहीं लगाई है। आयुष मंत्रालय ने औषधों का कुछ विशेष श्रेणियों का बिक्री हेतु विनिर्माण के लिए लाइसेंस देने के लिए सुरक्षा और प्रभावकारिता के प्रमाण स्वरूप अपेक्षित प्रायोगिक अध्ययनों के बारे में औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली, 1945 के प्रावधानों के बारे में राज्य सरकारों और औषधि विनिर्माताओं के अनुरोध पर एक स्पष्ट निर्णय पारित किया है। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली, 1945 के प्रावधानों के अनुसार यदि उस औषधि के उपयोग अथवा लक्षण के दावे के समर्थन में पाठ्यचर्या प्रमाणित नहीं है, तो किसी आर्शायित एएसयू औषधि को लाइसेंस जारी करने के लिए प्रायोगिक अध्ययन प्रभावकारिता के प्रमाण की मांग की जा सकती है।

( ) ( ) : चूंकि सरकार ने एएसयू औषधों के पेटेंट अथवा एकाधिकार के नैदानिक परीक्षणों पर रोक नहीं लगाई है, इसलिए बाजार में खराब गुणवत्ता के औषधों का बिक्री पर रोक लगाने के लिए कोई नई प्रणाली-निर्देश प्रस्तावित करना न तो वांछित है और न ही परिकल्पित है। औषधों को परिभाषाएं और दण्ड प्रदान करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के प्रावधानों के लिए एएसयू औषधों के विनिर्माण हेतु लाइसेंस प्रदान अथवा नवीकरण करने के संबंधित भेषजसंहिताओं और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली, 1945 के प्रावधानों के अंतर्गत मानकों और आदेश विनिर्माण पद्धतियों (जीएमपी) का अनुपालन औषधि विनिर्माताओं के लिए अनिवार्य

\*\*\*\*\*